सेंट एंड्र्यूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२०२६

कक्षा:-6	विषय: हिंदी	पाठ:७ दीवाली की सच्ची खुशी

मौखिक प्रश्न

प्रश्न 1. दिवाली किस महीने में आती है?

उत्तर - दिवाली कार्तिक महीने में आती है।

प्रश्न 2. माँ हर साल ही बच्चों को क्या समझाती है?

उत्तर- माँ हर साल ही बच्चों को दिवाली का महत्व समझाती है।

प्रश्न 3. लक्ष्मी किन पर कृपा करती है?

उत्तर -जिसका घर साफ सुथरा होता है लक्ष्मी उसी पर कृपा करती है।

प्रश्न 4. शोभा को किस चीज़ का शौक था ?

उत्तर-शोभा को चित्रकारी का शौक था ।

प्रश्न 5. राकेश किन कामों में मदद कर रहा था?

उत्तर- राकेश दादी और माँ के साथ गुझिया बनवाने, शोभा दीदी को रंगोली में रंग भरने तथा पानी में से दिए निकालकर रखने में मदद कर रहा था।

लिखित प्रश्न उत्तर

प्र०१) दिवाली से हफ्तों पहले लोग किन चीजों में व्यस्त हो जाते हैं?

उत्तर- दिवाली से हफ़्तों पहले लोग घर के साफ़- सफ़ाई के कामों में व्यस्त हो जाते हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए नए कपड़े बनवाते हैं और मित्रों तथा बांधुओं के घर मिठाई भेजते हैं।

प्र०२) लक्ष्मी के आने का क्या अर्थ है?

उत्तर- लक्ष्मी के आने का अर्थ है- घर में सुख- समृद्धि आना ।

प्र०३) माँ ने मिट्टी के दीये जलाने के बारे में क्या बात बताई?

उ०) माँ ने बताया कि पुराने ज़माने में बिजली या मोमबत्तियाँ नहीं थीं। उस समय मिट्टी के दीये ही जलाए जाते थे। अब भी लोग मानते हैं की मिट्टी के दीये पवित्र हैं।

प्र०४) क्या चीज़ दिवाली की रौनक फीका बना देती है?

उ०) पटाखों से होने वाली दुर्घटनाएँ दिवाली की रौनक को फीका बना देती हैं।

प्र०५) दीपावली के पीछे क्या कथा है? संक्षेप में लिखिए।

उ०) दीपावली के पीछे कथा है कि पहली बार अयोध्यावासियों ने दीवाली मनाई थी, जब रामचंद्र जी लक्ष्मण, सीता, हनुमान के साथ लंका विजय करके चौदह वर्ष बाद अपनी राजधानी लौटे थे तब अयोध्यावासियों ने घी के दिये जलाए थे। तब से आज तक रावण पर राम की विजय यानी बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में यह उत्सव मनाया जाता है।

प्र०६) गरीब बच्चों को देखकर माँ ने क्या किया?

उ०) गरीब बच्चों को देखकर माँ ने अंजू को फुलझड़ियों का एक डिब्बा थामकर उसे उन बच्चों को देने को कहा। साथ ही स्वयं अंदर जाकर उनके लिए मिठाइयाँ भी ले आई।

प्र०७) त्योहार की सच्ची खुशी किसमें है?

उ०) त्यौहार की सच्ची खुशियाँ और मुस्कान बाँटने में है।

मूल्यपरक प्रश्न उत्तर

प्र०१) त्योहारों को किस प्रकार मनाना चाहिए?

उ०) हमें त्योहार सावधानीपूर्वक बनाने चाहिए। त्योहार खुशियाँ बाँटने आते हैं। इसलिए हमें पटाखे नहीं चलाने चाहिए। इनसे दुर्घटनाएँ होती हैं। पर्यावरण प्रदूषित होता है। त्योहारों में लोग जुआ खेलते हैं। नशे में तेज रफ़्तार से गाड़ी चलाते हैं जिससे दुर्घटनाएँ होती हैं। अतः ये बुरी आदतें छोड़कर हमें एक दूसरे से मिलकर तथा मिठाइयाँ बाँटकर त्योहार मनाने चाहिए।

प्र०२) माँ स्वयं अंदर जाकर उन बच्चों के लिए मिठाइयाँ ले आई।- इस कथन से माँ के व्यक्तित्व के किस गुण का पता चलता है?

उ०) इस कथन से माँ के परोपकारी होने का गुण पता चलता है।